



घर का बदलना

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

इंसानियत अक्सर भूल जाती है कि दुनिया की सबसे पहली कंपनी परिवार ही थी। किसी कारोबार को चलाने के लिए बस कुछ बुनियादी चीज़ें चाहिए: पैसा, जो अक्सर औरतों के हाथों में ज़्यादा महफूज़ रहता है; एक पिता की व्यावहारिक समझ; और बच्चे — उस प्रेम की उपज जो या तो बहुत सोच-समझकर रचा गया हो, या फिर महज़ जुनून, आवेग और मानवीय भूल का नतीजा हो। जब मैं विल्किंसन स्वॉर्ड को देखता हूँ — इसकी स्थापना से लेकर उन मालिकों की लंबी फ़ेहरिस्त तक जिन्होंने तब से इसे अपने अधिकार में रखा — तो मैं यह सोचे बिना नहीं रह पाता कि इसमें एक बढ़ता हुआ ढर्रा है। जो चीज़ काम नहीं कर रही थी, उसे कभी सचमुच सुधारा नहीं गया। उसे बस पैसों के पहाड़ों तले ढँक दिया गया। और पैसा, जैसा कि हम सब जानते हैं, बकवास ढँकने में माहिर होता है। 1891–1973 द विल्किंसन स्वॉर्ड कंपनी। यही असली कंपनी थी। बयासी बरस की सच्ची ज़िंदगी, इतिहास, नवाचार, क्रिस्सागोई, और वह ख़ास अंग्रेज़ी संकोच जो आज भी इसे कई कारोबारों के लिए एक आदर्श बनाए हुए है। 1973–1978 1978–1989 1989–1992 1992–2000 2000–2003 2003–2015 2015–आज तक — एजवेल पर्सनल केयर।

जो बाक़ी बचा है वह एक अभिजात बुआ है, जिसने कई घर बदले और कई कमरों में सोई। उसे ख़रीदा गया, बेचा गया, विरासत में दिया गया, पुनर्गठित किया गया, और एक जगह से दूसरी जगह भेजा गया। फिर भी उसने अपना कुछ ख़ास नहीं रखा। वह आज भी वहीं खड़ी है जहाँ हमेशा खड़ी रही, तक्ररीबन तीन अरब डॉलर के सालाना राजस्व और पिछली पीढ़ियों की गढ़ी हुई साख के साथ। और इसलिए वे 1980 के दशक की एक पुरानी मार्केटिंग तरकीब पर लौट आए। वही उत्पाद। वही ब्लेड। वही कंपनी। बाज़ार के हिसाब से अलग-अलग नाम। यूरोप में विल्किंसन। उत्तरी अमेरिका, एशिया और रूस में शिक। बुआ विल्किंसन ने ख़ानदान की चाँदी अपने पास रख ली। बस दूसरे घर में जा बसी। आज पता कई बार बदल चुका है। पर वह महिला नहीं बदली।

स्वागत है

फर्दिनांदो

जिलेट मैम